नये सिरे से संवारा जायेगा नक्षत्र वाटिका को

नपानि आयुक्त ने बनायी फ्लॉवर्स व किड्स जोन बनाने की योजना

नवभारत रिपोर्टर। जगदलपुर।

नगर पालिक निगम के आयुक्त हरेश मंडावी ने आज शहर के नक्षत्र वाटिका का निरीक्षण कर इस वाटिका को विकसित करने के संबंध में संबंधित अधिकारियों एवं कर्मचारियों को निर्देश दिये।

नपानि आयुक्त श्री मंडावी ने आज सुबह नक्षत्र वाटिका का दौरा कर वाटिका को पूर्ण रूप से साफ-सफाई करने के निर्देश दिये, वाटिका परिसर में जितने भी झाडियां एवं धांस उग आये हैं, उन सभी को जल्द सफाई करने का निर्देश दिये। आयुक्त ने नक्षत्र वाटिका को नए सिरे से विकसित करने के लिए संबंधित अधिकारियों को निर्देश देते नक्षत्र यहां 27 नक्षत्र के हिसाब से लगे पौधों को नए सिरे से संधारण करने के साथ वाटिका परिसर में अलग से फ्लावर जोन एवं बच्चों के खेलने के लिए किड्स जोन बनाने कहा। वही परिसर में फ्लावर जोन एवं किड्स जोन बनाए जाने संबंधी कार्य योजना बनाने का निर्देश दिया, साथ ही नक्षत्र वाटिका में विद्युत व पानी की भी समुचित व्यवस्था करने का निर्देश दिया गया है। निरीक्षण के दौरान नगर निगम के संबंधित अधिकारी व कर्मचारी उपस्थित थे ।

परिसर में बनेगा नौ ग्रह जोन

आयुक्त ने बताया कि नक्षत्र वाटिका को पूर्ण रूप से विकसित कर नक्षत्रों के हिसाब से लगे पौधों को नए सिरे से संधारण कर विकास किया जाएगा। संबंधित अधिकारियों को नौ ग्रह के हिसाब से परिसर के अंदर नवग्रह जोन बनाने की भी निर्देश दिए हैं, साथ उन पौधों में नक्षत्र के हिसाब से पट्टिका भी लगाई जाएगी, जिससे कि लोगों को नक्षत्र पौधों के विषय में जानकारी उपलब्ध हो सके।

Scanned with OKEN Scanner

नलों में लगाये गये हैं मीटर, जितना पानी खर्च करेंगे उतना शुल्क

अमृत मिशन कार्य में तेजी आने की उम्मीद

अमृत मिशन से 24 घंटे होगी पानी की सप्लाई, बर्बादी पर अंकुश

नवभारत रिपोर्टर। जगदलपुर।

पेयजल आपूर्ति को बेहतर बनाने के लिए शुरु किये गये केन्द्र सरकार की अमृत मिशन योजना के तहत शहर में पाइप लाइन बिछायी गयी है। लेकिन इतने वर्षों तक यह काम कछुआ गति से चल रहा था, अब प्रदेश में भाजपा की सरकार आने के बाद इस काम में तेजी आने की उम्मीद की जा रही है, चूंकि यह योजना केन्द्र सरकार की है, इस लिए इसे पूरा करने का लक्ष्य प्रदेश की भाजपा सरकार की होगी।

ज्ञात हो कि टंकियों में पानी को चढ़ाने सहित ज्यादा फोर्स के साथ पानी लेने के लिए टुल्लू पंप का उपयोग किये जाने की शिकायतें आम रही है, जिसकी वजह से अन्य लोगों के घरों में पानी नहीं आ पाता, लेकिन अब इसका समाधान अमृत मिशन के तहत बिछायी जा रही पाइप लाइन में निकाल लिया गया है। अब नल कनेक्शन में ऐसे छर्रे का उपयोग किया जा रहा है, जिससे लोग टुल्लू पंप की मदद से पानी नहीं खींच पायेंगे, क्यों कि बाहरी प्रेशर से यदि पानी खींचने की क्रोशिश करेंगे तो उक्त छर्रा आकर निकासी वाली जगह पर जाम कर देगा और नल से पानी आना ही बंद हो जायेगा। उल्लेखनीय है कि इस योजना के तहत नालों में मीटर भी लगाये जा रहे हैं, जितना पानी का इस्तेमाल करोगे उतना शुल्क अदा करना होगा।

अधिकांश सार्वजनिक नल हो जायेंगे बंद

विभागीय जानकारी के अनुसार अमृत मिशन का काम खत्म होते ही जितने भी सार्वजनिक नल हैं उनमें से अधिकांश बंद कर दिये जायेंगे, लेकिन अटल आवास जैसी जगहों पर इसे बंद किया जाना संभव नहीं है, इस लिए इन जगहों को छोड़कर जितने भी सार्वजनिक जल कनेक्शन हैं उन्हें बंद कर, राहगीरों के लिए टंकी लगाकर पानी की व्यवस्था की जायेगी।

मीटर से होगी पानी की बचत

अमृत मिशन योजना के तहत लगने वाले नल कनेक्शन में प्रत्येक घरों में मीटर लगाये जायेंगे, जिससे जितने पानी का इस्तेमाल करेंगे मीटर चलता रहेगा, और उसकी हर महीने रीडिंग होगी और उसके अनुसार ही शुल्क का भुगतान करना होगा। मीटर लगने के बाद निश्चित ही पानी की बर्बादी रुकेगी और इससे पानी का बचत भी होगा।

Scanned with OKEN Scanner

जानकारी दी जाएगी।

नए सिरे से विकसित किया जाएगा नक्षत्र वाटिका

जगदलपुर। निगम आयुक्त हरेश मंडावी ने शनिवार को नक्षत्र वाटिका का निरीक्षण कर नए सिरे से विकसित करने के संबंध में अधिकारियों एवं कर्मचारियों को निर्देश दिए। उन्होंने सुबह नक्षत्र वाटिका का दौरा कर वाटिका को पूर्ण रूप से साफ सफाई करने के निर्देश दिए। वाटिका परिसर में जितने भी झाड़ियां एवं घास उग आये हैं उन सभी को जल्द सफाई करने के निर्देश दिए। अधिकारियों को वाटिका में 27 नक्षत्र के हिसाब से लगे पौधों को नए सिरे से संधारण करने के साथ परिसर में अलग से फ्लावर जोन एवं बच्चों के खेलने के लिए किड्स जोन बनाने के निर्देश दिए। आयुक्त ने अधिकारियों को 9 ग्रह के हिसाब से परिसर के अंदर नवग्रह जोन बनाने के निर्देश दिए हैं। साथ ही उन पौधों में नक्षत्र के हिसाब से पट्टीका भी लगाई जाएगी, जिससे नक्षत्र वाटिका आने वाले लोगों को पौधों के विषय में जानकारी उपलब्ध हो सके। नक्षत्र वाटिका में विद्युत व पानी की समुचित व्यवस्था करने के निर्देश दिए। निरीक्षण के दौरान नगर निगम के अधिकारी व कर्मचारी उपस्थित थे।

Scanned with OKEN Scanner

आयुक्त ने निरीक्षण कर काम शुरू करने के दिए निर्देश

नक्षत्र वाटिका में अलग से फ्लावर जोन और किड्स जोन बनेगा

जगदलपुर @ पत्रिका . लंबे वक्त से उपेक्षित शहर के नक्षत्र वाटिका के अब जल्द ही दिन बदलने वाले हैं। दरअसल शनिवार को आयुक्त हरेश मंडावी लालबाग स्थित इस उद्यान का निरीक्षण करने पहुंचे और कहा कि यहां की स्थिति को जल्द से जल्द सुधारा जाए। उद्यान में 27 नक्षत्रों के हिसाब से पौधे लगाए गए हैं उनका संधारण किया जाए। साथ ही उन्होंने गार्डन में अलग से फ्लावर जोन और किड्स जोन विकसित करने के निर्देश अधिकारियों को दिए। आयुक्त ने संबंधित अधिकारियों को नौ ग्रह के हिसाब से परिसर के अंदर नवग्रह जोन बनाने के भी निर्देश दिए। साथ उन पौधों में नक्षत्र के हिसाब से नाम पट्टिका लगाने भी कहा। विद्युत और पानी की भी समुचित व्यवस्था करने भी कहा।

सीनियर सिटीजंस के प्रयास से जीवित उद्यान

साल 2009 में इस उद्यान को शुरू किया गया था, लेकिन समय के साथ यह उपेक्षित होता चला गया। फिर शहर के कुछ सीनियर सिटीजंस न संवर्धन की दिशा में काम किया, लेकिन बिना सरकारी मदद के कई परेशानी आती रही। इसके बावजूद उनका प्रयास जारी रहा। सीनियर सिटीजंस समय-समय पर उद्यान की देख-रेख प्रशासन के माध्यम से होने की मांग करते रहे। अब निगम प्रशासन ने उद्यान की सुध ली है। सीनियर सिटीजंस का कहना है कि इस उद्यान को पहले की तरह ही संवारने की जरूरत है।

Scanned with OKEN Scanner

जिम्मेदारी : आयुक्त के टारगेट से हड़बड़ाया राजस्व अमला, कछुआ गति से चलने वाली प्रक्रिया हुई तेज

निगम के जिस अमले ने 9 महीने में 45% वसूली की उसे 15 दिन में 50% वसूलने का टारगेट

नौ महीने में 28.23 प्रतिशत संपत्ति कर और 17.60 प्रतिशत समेकित कर की हुई है वसूली

पत्रिका पड़ताल

पत्रिका न्यूज नेटवर्क
patrika.com

जगदलपुर . नगर निगम में राजस्व वसूली की प्रक्रिया हमेशा से कछुआ गति से ही चलती रही। हर बार यह काम वित्तीय वर्ष के अंत में जोर पकड़ता दिखाई देता है लेकिन इस बार वित्तीय वर्ष की समाप्ति से चार महीने पहले राजस्व वसूली के नए टारगेट से हड़कंप मचा हुआ है। आयुक्त हरेश मंडावी ने निगम के राजस्व अमले को अगले 15 दिन में हर वार्ड से 50 प्रतिशत संपत्ति और समेकित कर की वसूली का टारगेट दे दिया है। अगर ऐसा होता है तो निगम का राजस्व अमला वो कर देगा जो उसने आज तक नहीं किया है। निगम के सूत्र कहते हैं कि यह टारगेट पाना मुश्किल है लेकिन अगर राजस्व अधिकारी पूरी इमानदारी से लगातार काम करें तो ऐसा हो सकता है।

अब से पहले कभी इस तरह का टारगेट राजस्व अधिकारियों को नहीं मिला है। टारगेट अगर मिलता भी था तो वह वित्तीय वर्ष के अंत में मिलता था, ऐसे में लक्ष्य पूरा नहीं होने पर उसके अगले वर्ष में जोड़कर राजस्व अमला अपने काम से छुट्टी पा लेता था। इस बार आयुक्त का रुख राजस्व वसूली को लेकर बेहद सख्त है। वे लगातार इसे लेकर बैठकें ले रहे और वसूली की समीक्षा कर रहे हैं। कई राजस्व अधिकारियों पर लापरवाही करने पर गाज भी गिर चुकी है। चार अधिकारियों का वेतन दो दिन पहले ही रोका गया है।

शहर के 25 हजार करवाताओं से 24 करोड़ से ज्यादा की होनी है वसूली : निगम से मिली जानकारी के अनुसार अब तक निगम के राजस्व अमले ने सालाना लक्ष्य से 8 करोड़ 73 लाख 88 हजार रुपए की वसूली की है। जबकि लक्ष्य 24 करोड़ 84 लाख 33 हजार रुपए का है। अब तक जिस गति से वसूली हुई है उसे देखकर कहा जा सकता है कि वित्तीय वर्ष के अंत यानी 31 मार्च तक शत प्रतिशत किसी हाल में नहीं हो सकती। निगम का राजस्व अमला वार्डों में वसूली के लिए लगातार मुनादी करवाने की बात करता है लेकिन इसके बावजूद इसके सफलता मिलती नहीं दिख रही है।

सबसे ज्यादा संपत्ति कर और जलकर बकाया : नगर निगम का टारगेट बड़ा होने का मुख्य कारण लोगों के द्वारा समय पर जलकर और संपत्ति कर नहीं पटाना है। अभी निगम ने मौजूदा वित्तीय वर्ष में 7 करोड़ से ज्यादा के संपत्ति कर की वसूली का टारगेट रखा है और वसूली 1 करोड़ 98 लाख रुपए की हुई है। वहीं जलकर का टारगेट 7 करोड़ 35 लाख रुपए है और वसूली 1 करोड़ 95 लाख रुपए की हुई। इसके अलावा समेकित कर का लक्ष्य 2 करोड़ 26 लाख का है और वसूली 39 लाख 86 हजार रुपए की हुई है। दुकानों के किराए के रूप में 93 लाख 10 हजार रुपए बकाया है और वसूली 48 लाख रुपए, यूजर चार्जेस 1 करोड़ 21 लाख रुपए है और वसूली 45 लाख की हुई है। अन्य कर 6 करोड़ 5 लाख रुपए है और वसूली 3 करोड़ 47 लाख रुपए की हुई है। अभी 16 करोड़ से ज्यादा की वसूली होना बाकी है।

बड़े बकायदारों की वजह से राजस्व वसूली में हर साल पिछड़ता है निगम

छोटे करदाता जैसे घर-दुकान वाले तो वित्तीय वर्ष भीतर अपना कर जमा कर देते हैं लेकिन शहर में कई ऐसे बड़े बकायदार हैं जो सालों से अलग-अलग प्रकार के कर जमा नहीं कर रहे हैं। निगम प्रशासन हर बार ऐसे करदाताओं पर कार्रवाई की बात कहता है लेकिन कार्रवाई नहीं हो पाती है। इसी वजह से निगम पर राजस्व वसूली का बोझ साल दर साल बढ़ता जा रहा है।

अभी डोर टू डोर कलेक्शन कर रहे, कैंप लगाने की जरूरत

निगम का राजस्व अमला अभी डोर टू डोर कलेक्शन कर रहा है लेकिन निगम के कामकाज के जानकार कहते हैं कि डोर टू डोर कलेक्शन से वसूली का माहौल नहीं बन पा रहा है। इसके लिए वार्डों में एक निर्धारित समय अवधि के लिए कैंप लगाया जाना चाहिए। साथ ही लोगों का टैक्स पटाने के लिए जागरूक भी करना होगा। निगम के पास वसूली के लिए अभी कोई मास्टर प्लान नहीं है। आयुक्त टारगेट तो दे रहे हैं लेकिन टारगेट को पूरा कैसे किया जाए इसके लिए कोई विस्तृत कार्य योजना नहीं बन पाई है।

टारगेट से वसूली में आई तेजी

मेरी ओर से 15 दिन में 50 प्रतिशत वसूली का टारगेट देने के बाद से काम में तेजी आई है। सहायक राजस्व अधिकारियों से कह दिया गया है कि इस काम में लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी। वे इमानदारी से काम कर रहे हैं। उम्मीद है लक्ष्य के मुताबिक काम होगा।

हरेश मंडावी, *आयुक्त नगर निगम जगदलपुर*

Scanned with OKEN Scanner

बनाई योजना • नगर निगम आयुक्त ने वाटिका का जायजा लिया

वाटिका में बनेगा किड्स और फ्लावर जोन

भास्कर न्यूज | जगदलपुर

शहर के लालबाग इलाके में मौजूद नक्षत्र वाटिका को नए सिरे से विकसित कर इसे शहीद पार्क के समान बनाया जाएगा। इसके लिए नगर निगम ने योजना बनाकर काम शुरू कर दिया है। सालों बाद निगम ने इस वाटिका की सुध लेते हुए अब यहां पर बच्चों के लिए किड्स जोन तो वहीं इसका आकर्षण बढ़ाने के लिए यहां पर फ्लावर पार्क विकसित किया जाएगा।

यह काम बिना किसी परेशानी के हो इसके लिए नगर निगम उद्यानिकी विभाग के सहयोग से इस काम को अंजाम देगा। नई योजना के जरिए होने वाले काम का जायजा लेने के लिए शनिवार को निगम आयुक्त अन्य कर्मचारियों के साथ वाटिका में पहुंचे थे। जहां पर उन्होनें अधिकारियों से इस योजना को लेकर बातचीत की और नक्षत्र वाटिका को विकसित करने के संबंध में संबंधित अधिकारियों एवं कर्मचारियों को निर्देश दिया । आयुक्त ने सबसे पहले वाटिका की साफ सफाई करने का निर्देश दिया।

2008-09 में किया गया था विकसित

लालबाग में आईजी व कमिश्नर बंगला के सामने की करीब पांच एकड़ जमीन को वर्ष 2008-09 में नगर निगम ने नक्षत्र वाटिका के रूप में विकसित किया था। बड़े समारोह के साथ शहर के प्रमुख नागरिकों के हाथों यहां विभिन्न प्रजाति के पौधे लगाए गए थे। लेकिन निगम इसका संरक्षण छह माह भी नहीं कर पाई। आसपास के लोग यहां की ईंटें निकाल कर ले गए वहीं शरारती तत्व कांटेदार तारों को तोड़ डाले। पौधों को आवारा मवेशी खा गए तथा लोगों ने इसे खुला शौचालय बना डाला। इस तरह से नक्षत्र वाटिका की बदहाली देख कर शहर के कुछ लोगों ने इसे फिर से आबाद करने का निर्णय लिया और बिना किसी सरकारी मदद वाटिका को संवारने के लिए 16 अगस्त 2013 काम शुरू किया था। वाटिका में इस समय 60 से अधिक प्रजाति के पौधे लगाए हैं।

वाटिका में भी बनाया जाएगा नवग्रह जोन

आयुक्त ने नक्षत्र वाटिका को नए सिरे से विकसित करने के लिए संबंधित अधिकारियों को निर्देश देते नक्षत्र वाटिका में 27 नक्षत्र के हिसाब से लगे पौधों को नए सिरे से संधारण करने के निर्देश दिए। उन्होंने वाटिका को पूर्ण रूप से विकसित करते हुए नक्षत्रों के हिसाब से लगाए गए पौधों पर पट्टिका लगाने कहा जिससे यहां आने वाले लोगों को इन पौधों के बारे में जानकारी मिले। इसके साथ ही यहां पर नौं ग्रह के हिसाब से परिसर के अंदर नवग्रह जोन बनाने की भी निर्देश दिए हैं । इसके साथ ही नक्षत्र वाटिका में विद्युत व पानी की भी समुचित व्यवस्था करने का निर्देश दिया।

Scanned with OKEN Scanner